

श्री
लि
लि

न श्री राज मुजि दन ॥ सवक मुडा व ॥ ५ ॥ ॐ ॥
गगं कसिः तथे पुन नी नन नी मय के थः ससि अरिण मनुपः न
ध वु धं शु नः लि स नु प ॥ स सा न स शु ल्य ह प पु न्य ह श्री व न प
नः सु श्री नन २ वि ग्या क थ थ स ॥ आ ति म ल्य नः लि य न न स न
न स सं न ॥ १ ॥ द व ग म द वि ग नः द क स म य का न ल्य स्य
न व न न रि ता स स ॥ उ व न स र ती वि न सि न स म नु क थ
वि न ही म ल्य न ॥ आ ती ॥ २ ॥ ह ग ली व न न न
वि न ही म ल्य न ॥ आ ती ॥ २ ॥ ह ग ली व न न न
वि न ही म ल्य न ॥ आ ती ॥ २ ॥ ह ग ली व न न न

पुताम नली डावः कुस्य विद्या कः श्रम ग ए लथ ला ध या क ॥ ४३ ॥
 हि ॥ ३ ॥ ली ग नी म हि मा ग न द्वा य त्रि ज ती ग स नः द्वा डा म न
 व्या क र्ति व षा न ॥ द्वा क र्त्त या म न पु नः या ष् व ल लु वि दी नानः
 ल य म् ॥ क रु ना मि षा न ॥ ४४ ॥ हि म सि न ली य न न स न स द्वा न
 ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ग ग ए घी न विः ता नी ॥ रा द ४ प्री ना थ सी धीः ४ प्री
 ज न नि कु मा नीः ४ प्री ग ड ली स हि त वि ज्ञा हा क ॥ द्वा क र्त्त य डा व
 वि व द या द य मा न ॥ ४७ ॥ ज य ज ग त ४ स य न ॥ ४८ ॥ ४९ ॥
 ग ग रा नी ॥ ता न डा क ॥ ना थ स्य ली सी वि या वः ४ प्री ज ना नी या

ह धी
 न वि
 ९
 ३
 श्रान
 ती ना
 ध्या

त ७ धा लः मधुपु नन ग स ज न नी वि ज्ञा क ॥ र स घा ह ए द
 य का वः ती रु न छि पा नी का स वि रु न त्रि ता वा सः वि रु न ह्ना क
 क षा डा व ॥ १॥ श्री गणी या य श्री न गी न गी य नः श्री नी नं न
 ग थ ॥ ना थ ली वि नु धी ल्य व क वा डा कः श्री ग कि ड न न म
 स का न ॥ २॥ ॐ ध ॥ ग ग वि र ॥ ग न ही ॥ श्री ग य ग य का
 ली म न ही गी ग ग म जि ॥ ध ॥ ह द ॐ न शु ष्ठी नी न थी कः प न व
 ह ष्य का कः ह न ष न यु लु न द्रा ता क ग ग म जि ॥ श्री ग ॥ १॥
 ह द मु लु क ष्य वि ज्ञा कः ली दि वा त न न क न कः स ली का ग मि

श्री ग
 य का
 ली म
 न ही

ॐ शशिधर शुभ नमो गंगे जी ॥ श्री ग ॥ २ ॥ हाद न तिल का ती द व द
 व या न स विद्या क ॥ मन का छा पु न या डा वि द न ग ग म जी ॥ श्री ग य
 ॥ ३ ॥ हाद न हा क स नान या कः या क शु का पा प डू क ॥ वि हि न व
 य क थ वा स गं ग म जी ॥ श्री ग ॥ ४ ॥ हाद नि पा र या धी प ती श्री ग
 य प लु प ति ॥ ५ ॥ अ त्व जी म र्छि द ल नो हा थ गं ग म जीः श्री ग य ज
 य का ली मा रू गं ग म जी ॥ ६ ॥ ॐ ॥ ग ग वा व गः ग ग ग
 ॥ श्री ग न स ग रु वि द्या प ती शु तः वि श वि द्या सि धी न स ग
 न ॥ ग ग मु ष लु ध न दं त या ल ह ॥ प लु पा न ॥ १ ॥ अ प मा ॥

श्री दि
 ग न स
 ग रु वि
 धी प ती
 श्री ग

६
शाङ्गावः विद्याविद्यासिद्धी नृगुण ॥ १ ॥ पाथकुं न विद्याव
द्रुं घाजगीत्य ए ॥ गजसः नाग घाजु नात्य ए ॥ वीरविद्या
सिद्धी नृसगुण ॥ २ ॥ लु नृगुणैका तीसिद्धी घापती ॥ विद्या
नृविद्या नासिनी दीनीः विद्याविद्यासिद्धी नृसगुण ॥ ३ ॥
कं नृनाकृपा नृसवः प्राक कृपा नृमा ॥ नृनृपा नृसगुण ॥ ४ ॥
घासा ज्ञान ॥ वीरविद्यासिद्धी नृसगुण ॥ ५ ॥ ॐ ध
शा गनन नाः ताव प्रता ॥ दस्यम नृ पुनयुद्धी विन नामधु ॥ दस्य
विद्यापती विद्याक सीद्धी का नी ॥ नृदय नी माहाः नृदीमीगी

ॐ प्रायनी ॥ दस ॥ १ ॥ ॐ विसुनु विदि ॐ हूँ प्रायनी ॥ सु मुद्र
महत्त्व गीः ॐ माहा हूँ नव ॥ दस ॥ २ ॥ गतु धना नयनी
ः ॐ अस्त हूँ नव ॥ वक्ता न धर्म कु धायः ॐ गनपती
ः दस ॥ ३ ॥ माहाका न ह चि नवः ॐ अस्त का ली ॥ ॐ ज नानी कु
मलीः ॐ नाथ स्व गी ॥ ॐ ॥ ४ ॥ रुद्र मा न द्या त ति न विद्रा
कः विगय ॥ वषु ति थ विसु ती थः गिल दु नाव ॥ दस ॥ ५ ॥ वा गम
ती सना न या य हु क नु पाप दु ष ॥ पलु य ति गत न स्व गी ॥ ॐ अ
ॐ ना नयिनः हिम ह यो लवः दस म ध पु न दु धी वि न ना म ॥ ६ ॥

कर्मोपनिषद्

गोश वल्ल ॥ न्यहससि व विनान मथ त्रिपयानः ॥ ५५ ॥ का नु नु मथ
 गस कु ग न कि गाडा माल ॥ गव पित्र न मु न का डा यः गस कं
 न नु न यो व स त या ध नः नान ॥ नह ॥ १ ॥ ला व त स स्य जि न
 भा ह ल पा तु न यो म न ॥ के ने ह न मिषा का स्य नेः मु सु न कि ना
 र्च ल रि त या डा था ह नानः देह ॥ २ ॥ व स यो ग न नु पः ग थ म नु म
 हा न्य जि न ॥ व पु नु र्व सु ध नः ग ना दा डा या य द स न नान ॥ देह
 ॥ ३ ॥ वि न ह या नि मि स्ती नः स रि ल ग म डा डा क्ष म न ॥ गाल गा व
 त य म त नः ति रि न न य गा तु ए न दि ल थ कु त नान ॥ नह ॥

गोविन्दो गोविन्दो गोविन्दो

॥ ४ ॥ निपालया कुरु यतिः श्री लनका हाडु न ॥ क्राक क्रा पादिन
तिस्रः नृणा नस स्रम लपा धा डः नान ॥ ५ ॥ न्यङ्ग सचि य विमान गध
॥ ६ ॥ १) गग श्री मालः ताल नीरु ति ॥ शहाद विस्रु गुप्रवि
हि ज्ञा हा क श्री नाली य न य ॥ लाह त्या पा क्र स वि ज्ञा कः श्री
ना न य नः य ॥ शहाद स्य हा क मु हा व ॥ ह या वि व द ल स न
॥ ७ ॥ शहाद दह चा स वि हि ज्ञा हा कः श्री स्य ष न न य न म ॥
काम धी नी कु य का हा हा वि ज्ञा कः श्री ना न य न ॥ शहाद स्य
व का मु ॥ ८ ॥ शहाद व ॥ वं मु हि स रु वि ज्ञा हा कः श्री ना न य न

गीतान

स्य अकम्

य ॥ पुत्रुवादि गौतमस्य विष्णुः श्रीनामयन ॥ ३ ॥ आहादद
ना जीसीपल व ह ग धा ल विही त्याकः श्रीनामयनय ॥ गड
ध आल न ग ह स्य ना ग न कु य का डा ॥ आहादस्य व क म डा
॥ ४ ॥ आहाद ल वि मि स ला सु तीः न क्कान ध न त धा व य ॥
न दि हि दिः न क्कान स्य न म्दं ग थ अ क का व र ॥ आहादस्य व क म
॥ ५ ॥ आहाद क्क क क याः विन ती हि ष ड डा श्रीनामयन
य ॥ आसु जी ड वि क मः साहाद वः पल ह गा प वा य का हा व
॥ आहादस्य व क म्दं ग थ अ क का व र ॥ ६ ॥ ॥ ॥

कात्री काशीजीनी

जागवनालि ॥ गालाकाक ॥ मध्यपुलिहिपी थापति नृगमकाली
कृत् ॥ लुदरध्वलाहा नृगिमनहलथान ॥ कालीकाशीहनि
हिनी ॥ लवाधनथान ॥ १ ॥ दृगमज्ञानिधि कालीमाहा
कात्री लघकसन ॥ नृलकालि नृलहरलवक्रासं नृहगुग
॥ कालिका ॥ २ ॥ शिवनमहि तमुवाधि ॥ विकनीह नृनह
॥ यदि कालि पृक्तानि केती लुलुत्रपहत्र ॥ कात्रीकाशी ॥
३ ॥ शोगमवयलक्ष्मि नाली ॥ दानदहमायहाडा ॥

आ हा हा गो

नृपति नारु नारी नला ना ना च ह न ॥ कालिका गो ॥ ५
॥ ॐ ॥ साग व्यायदाः ता नला ॥ ह गृहि वहलन उपचि गृह्य
॥ ॐ ग्वल न नाभः स्य ग्वल मिषा का स्य मु मु न द्वाी ना स्य स्यः
ल सन नान दन ल थ स वि ज्ञा क ॥ १ ॥ हला मु ति थु स्य न्य
म उ के न पु स्य ॥ ज व प व न नाभः ज व प व न नाभः ज व प व न नाभः
ति क थी न ल थ ॥ न सन नान दन ल थ स वि ज्ञा क ॥ २ ॥
उ व ल न्या न थ स न न नी वि ज्ञा हा क ॥ काली कु माली
न नाभः काली कु मालीः मा हा ल चि मि ह ह न व ग न पा

॥ लसन शानदन लथस विज्याक ॥ ३ ॥ गजसलङ्काय
 गुप्तकाल रुद्रस्य ॥ या गज शानध नमः या गज शानग
 धी स्वस्य तीथी न ग न वाल लसन शानदन लथस विज्या
 हाक ॥ ४ ॥ द्वाक द्वा खडा हा ग कपाद यभाहाल ॥
 नीपाल या प्र नमः नीपाल या रुद्रपतिः श्री रुद्र जी डलाक
 दव ॥ लसन शानदन लथस विज्या हाक ॥ ५ ॥ ॐ ॥
 राग म उधन श्री ॥ न न धाक रुद्र नी न विलकु धी म

नमस्तथा ॥ जियु म ज्ञा क हाः श्री गः सव नासे तथा
॥ जननी कंठु या क्वा ति त ल ॥ १ ॥ लय क्कु द्वा सि वा
कु या व तु सि पु ज्ञा ॥ सु य म द्वा ए ग ति त नः स म त य
हा हा ॥ जननी कंठु ॥ २ ॥ ज व ष व कु या क्वा ती त्य ए
नी का वि श्रा त ॥ स्व या धा न ना क पं चः श ति ल स ता व
* जननी ॥ ३ ॥ गु ल त गु य द्वा स वः स नि व ल क न ॥
व क्कु सा व व ह दिः व तु द ति दि न ॥ जननी कंठु या क्वा ती

ताल ॥ ४ ॥ झाकक्रयः मनलथापुलनया
 डाडा ॥ विपालया कृपतिः श्रीसुतीडभासाया
 डा ॥ नननी कतुया कृति ताल ॥ ५ ॥ सैव ६



या गवत्कः पालिपत्यन्यावानदिनमयि स्यवाहिनी
 नननी सुधी कस्यराभा नी ॥ गनदको मूनका
 यदि क्का क शानदनः कितादिलनसनकाठ

१२५५

७
 मीगी
 १५५

नी ॥ स्वकुल्य जाक पना नीः स्थि स्थि ए वानी वाचकु
मा नी ॥ वी वन जा नी ॥ १ ॥ सकती पाट से पुन
जाता ती स स्व वि तः मनी मय न ॥ २ ॥ नी के य
नी ॥ वी पु नी कथां च वि न सति मनो ह नः मय
न स न स न दा नी ॥ ३ ॥ न साक वसाना श्र
नः नाना पु व्रा च द न म न न कु य न पा नी पु न ॥ ४ ॥ का
क का केल न म न का हा का य कु उ नः याना द्दि नी
प न न स ल न ॥ ५ ॥ ३ ॥

वक्त

नम

गोवावस्तु ॥ स्वेहा माधव विद्यमत्यनु गनयाद्य
सिनसमस्तक उथावनमा नन क पा मया मथु ना
सविद्या क लनाथा ॥ के सनियार गा ज्ञा न सिस्व
द न स को प्राप्ति ॥ स्वेहा ॥ १ ॥ वनवनहि मरु
या को रान क मया थाः अनन ए न जी मरु या
॥ वालपु न स न ता या रु या था रु रु याः सुयप्रदि
स्य य हि अनाया पि न गी न य आ नः स्वेहा माधु

॥ २ ॥ न क पा श र न स्व ग न्म न्म क कि न पा
थ यी व न स ली व वा धा ॥ न न य न क क
या रि उ न व स त चाः सु ष प्र न स य य ह म
ता मा पि न ति त य मा ल ॥ स्त्रि हा मा ध व वि म

म म नु ग न या ध न ॥ ३ ॥ ॐ ॥ न ग व स
न न य क ॥ य रु म स म ड रि ड स य ह न ह नी ध
स वु ति न न ग र न ह य न ॥ पु न म तिः दु ष ण म

म म नु ग न या ध न ॥ ३ ॥ ॐ ॥ न ग व स
न न य क ॥ य रु म स म ड रि ड स य ह न ह नी ध
स वु ति न न ग र न ह य न ॥ पु न म तिः दु ष ण म

दन्तयन्त्री ज्ञाता ॥ गन्तव्यः गन्ताय न युक्तु नीदु
बलिक न्यः दश्री वनछिपती विद्यावा ॥ १॥ मद्रु
ही न्यः धामवातः कुत्रो वात ह वातः वयलिनन
महिहा ॥ नयाव ति याव सुय तिल मम गले
तायाः धंधा नमपादः यडा त्राडा ॥ २॥ दिनदिन
कुकु नीम सावित्रसः यात ली नवापमय त्रतिवा
नदाडा ॥ त्रतिवाः लीत्यहलः द माविवकम

तलः धनमप्येवैकानामध्यातु ॥ ३ ॥ तापुना
हा ताक कान स्वस्मत्तन त्रषा तनः सि यम्भुमान
तुल्यपाडा ॥ धनमडुकातनः यषसमगा ल
अनः स्याताक तुना मलाडा ॥ ४ ॥ कुमनीमा
तुया तुतिपाति सतिः यविनतिः इह न्यसुदया
दयकाडा ॥ अहितनः एयवित्तः आसविनात
पित्तः अनथान यास्य ताडा हातु ॥ ५ ॥ डि

नमो नमो माहा मायिः

पु. १५५५

नमो नमो माहा मायिः तो ह जगदिदिसं ॥
तु नृभूवनपतिः माता लो चंहादि ॥ १ ॥ तह तच्छित्त
म वा निः मनिमह सदि ॥ सूत्रगंनमलं कतः नाहाना
भ्यसंन्य ॥ २ ॥ कानसतं नतू वसिष्ठतां मया हायः सू
षमूरवजय कतः ताहि वदाहाम्य ॥ ३ ॥ यत्र तावनिपद
वमानि भगति ॥ त्रिपूरा नूहसकतः ह वंद्रवति ॥
॥ ४ ॥ ॐ नगकां मा ॥ तालं वा क ॥ ॥ पूहि सिया चंद्रमार्कः
सू द्रुत रति ॥ इत्य चीहा कुलधी लः वगति ल्गति ॥ १ ॥
॥ रमि समहा स तलः चित्तथै भूमिसः तषलवा

तस तलः दक्क इदि दिस ॥ २ ॥ मज्जि वक्का जनयत्ताः
विक्क वत्तदानः मुनि आसपनि सनः यायु वत्तान ॥ ३ ॥
॥ विनति चेंद्रमादावः नहु न दयान ॥ साकल्लमया अस
यावः सूरुलया इव ॥ ४ ॥ ॐ
दे जा यको आयरसपि काय स्वादिया धरिसंमाल ॥ चतू कासूं धरिरे हादे
साति वनया ववोस्य वडावर ॥ हा धरि जि वृध कात्त जूल चल पूनि हा लया
वासा हा लहे ॥ न्म इहा यरानि हे ह धिमन तो लत्यवरन ॥ ॥ बहु कू संमहे
स्वानः छुत्त क्क जिवान तहु निजूयि धाल ॥ ॥ हा देव वा जूया उदै सन वया

नमो ह्यहो कृ किजन वहू कू सुं माल्य धका वः या सगू गूलानः मसिया उगू स्थानथ
 थिं इ त व दू ख जाल किजा नू आव गू गू न गू हिला व स्वय ॥ वहू कू सुं मह्य स्थान
 गायि इ थि इ थि इः दयि व न या यि व गायि इ थि इः मनस जि आ दूर ता द थ ठा
 न ॥ आ ह दे व कं म क्यलिः विष तिस धिर ज निया व ॥ ॥ त व धान त व दू षः लाः
 व थि दान सु षः हा दे दान सु ष व ॥ व थि ला यि ॥ ॥ ह सव क स मू द र पा हार
 स चो इ स्थान हे ॥ अ थि इ था य स त्या न वहू कू सुं मह्य स्थानः आ ना व ना क थि
 व सु नान ॥ ॥ रा ग जी माल ॥ ॥ उ व कूल वाल ष गो प्रति वाल ष उ वाल
 ष न द या कू माल र ॥ वालि सं वा य ल पि त व ह र दू ति र नारं य न जू व य कू थ
 ना थ र ॥ 'नारं' ॥ १ ॥ तिल स म तू का न स स कू द ल ग ल स तू ल सिया मा
 ल र ॥ सं ष च क्र ग दा प्र म जो ना व ह वि ज्ञा क र नारं य न जू व य कू थ ना

धर ॥ नार ॥ २ ॥ गुरुधमासनरक्षिमिसयसूतिन्यह्मन्यषानतयावर
 "मूसुहं नूहीलास्यस्यधितिसिद्याउयावर ॥ ३ ॥ गोपिनिजनधनिप्याव
 नहूयकावरसनसलकाजिवयार ॥ स्वल्पस्वल्पगोपिनियाथाससूधर
 स्यामारनारयनजुवयकुंथनाथर ॥ नार ॥ ४ ॥ हाकस्मअंनाथतितून्य
 द्विकोसवियममेल्यगर्ववासर ॥ द्विवितानंमदुजिताकुलयादचरित
 रनारयनजुकवयकुंथनाथर ॥ नार ॥ ५ ॥ ॐ नमः श्रीसालदा
 देवि नमः ॥ ॥ देविसूदरिनामसरासूतिपूर्णगुनयावधानं ॥ सिलसअति
 दूतमूतियामालनतेजसमूद्रसंमानं ॥ १ ॥ करनकुदलजोतिजगम
 गपूर्णचंद्रसंमानं ॥ गलसकोगारत्नमनिमयकोतिअगिनिसंमा

सप्तदेव्यासि
 याविमुदरि

न ॥ २ ॥ नो यूव सारनतिय स भतिलोत्र कव लहे गूली संमान ॥ गानठ
स्यदिल नो यूव जो रिद्धि न जा सज दिष ज दिनं ॥ ३ ॥ पालि सया यल न य भ
ति स बहा ल हो सया संमानं ॥ अति न हा यद्धि न धात वा जन को किल स्वर
संमान ॥ ४ ॥ भति न हा यद्धि नं विराज मोहनः सुंदरि हं सगया न्य न
॥ जं भू सा पू लि जो ल्य दिला हिनंः भ भय वर विव दिनं ॥ ५ ॥ कमल आ
सन या स्य दिला हिनंः रसन विराज या कनं ॥ नं दि भि दि द्या ल दू का ल सत
या वग यि रु स्य भा वनं ॥ ६ ॥ जं क्ष कि न र ना ग न र मू निः सि धि ग न या
इ स्य रि ॥ ब्रह्मा वि ल्लू सं भू ः दे व ल प नि स्य न पू जा या क ह्नां ॥ ७ ॥
जा न हि न क्य व ल म न त स्यः पालि स भ ज न भा व न ॥ म त्थ ल्य इ स्य रि ते

लोक्षविद्यादिनः धूगूलिलोकसंमथान ॥ ५ ॥ इति श्रीतो गसं पर्व ॥
 नमः शी सालदादेविनमः ॥ ॥ सदं सालदाया निष्पद्यादूकासः अ
 न्यगप्रिकारं नमं स्कारयानाः दको सासत्रविद्या विद्यादिनानां विद्या
 दिक्पां नं जितावृष्टिग्र्यानं ॥ १ ॥ दिगूलिमाहातमसमूद्रप्रमानः
 अन्यकैकभिं दिमपूया लवन्यः सूजिंद्राजिदेवं दिगूभगति याताः भू
 निव्यासजोतिंदको यादिमाता ॥ २ ॥ अतिभिद्रुतेयूरफतकिरथः खान
 याप्रवाजापूनि स्याससिलथः कलाचंद्रमाथसिल्यस्यानहोथ ॥ मूसूं
 हूदिलाजाप्रवाचंद्रमाथ ॥ ३ ॥ मिषादि सवानंमदूवानलाकः निव्याकूंद
 लंसूरजयिथजलाकः गत्यमूगतिममाभा अतिवानलाकः सपूरुलिअदो

माला जौ नाथ नथा कं ॥ ४ ॥ सदा संसयासा सद्धिपालि जूलं: तो यू वस गलूया
 तिसा भन्यग तिलं: दको लो कया क्य भूतू संक्षदिलं: अथ भागवानिध कं नाम सितं
 ॥ ५ ॥ अतिवानमूरतिदिगुहय जूलं: जविरत याव अतिस्य भाजूलं: ॥ मूनिनारि
 दारिक को तो वयातं: गुलिनाम कालं उलि भार जूलं ॥ ६ ॥ सिवाभा रतिसार दाभा
 गवानि: जगं तार निवित्तू सगती भवानि: मृदंगा जिवा जाथो मिस्य नथातं: स
 माथ्य फयाथ्यदि क्यतो वयाना ॥ ७ ॥ मनं भावानंदको पून्यलाकं: न्यगूगून थूल
 सदिन वा सयाकं: गूह यौष सूकल तिथि सुस्तमितं: प्रवाल किम बोनादिपादि
 पालि सको ना ॥ इति श्रीतो वसं पूर्ण ॥ ८ ॥ नमो सा ददेवि नमं ॥ ॥ ग
 न पूर्ण सं पूर्णो सा लदानं: भवानि भवो लो क सं सा लया मा: दिगुलि कृवा या
 सुद्रि ति प्र भावं: कथिता जूल पंदिता सूगूमात्मं ॥ ९ ॥ मूनि जषा विद्या धरि

अपसलागंःपनि संध्योमिसंदिगुलीउपासंःहनंदायमालाजोनावधमिसं

माहादेवब्रह्मदिः५॥द्रुप्रामूर्ध॥२॥सरासूतिवयकुंथपूरिसंआसनंःह
नंदिकनारुमनंवेतिप्रेमंःगनंग्यानधालाहावदिननानंःगूनिनंगूनयो
गूनंगूनपूरनं॥३॥इतिहासाकाव्यसमस्तथोसात्मःसमस्तथोवदंतो
आदिग्यानंःहनंदिमूसूतूहिलायाप्रभावःमूतिमालयात्यजग्यलकदि
वानं॥४॥माहांकालनंदितलोकाजवालंःजोस्यदिकजापूसतकंजाय
मालंःवरुनंकुवरंक्षमालोकवालंःदिगुलिप्रसारंजूलदिगवालं॥५॥
॥नमस्कारनारुमनंवेतिमामंःनमस्कारतैलोकानंमाममामः॥नमस्त
कारवदंतरंगुजमामंःनमस्कारविद्यांगूनपूर्नमामं॥६॥दैत्यलो

कयासितयास्वानमालाः सधूरभूयूरद्विथोपादूकासंः द्विगुलिद्विभावार्थ
 यानापदार्थः द्विनवासयाताउक्षमाह्मासनोनं ॥ २ ॥ विलद्विथोसंताल
 यताग्यानवृद्धिजिद्विमूर्षह्मात्मजलवदितासुः द्विगुलिप्रसादंजूलो
 प्रह्मानंथोइनापजंभूभूजगप्रियातं ॥ ३ ॥ रघुकूलवंससूवंससूजा
 तनिपाल्यसरचक्रवर्तिधीराजाः प्राभूविस्वरद्विमिपतिलोकनाथः मल
 सूरज्यवंसजयभूवर्तिद्र ॥ ४ ॥ इति श्रीसालदादेवितोगर्तपूर्ण ॥
 ५ ॥ हादेविंद्यावनसहितलवयांराक्षयालाहातिसलात ॥ य
 निवसूनानंहदेअवलजाम्भवमदूवनिस्नानक्युनिव्रजिताथ
 निःहरिहरि ॥ ६ ॥ हादेगनामामगनाजिर्वैवाजूगनादेसगनाप

कश्यपावर्षेण

रिवाल्॥ कृनि वसूना नंददेः अवलजा म्यवमदूयनि सूना न कृनि
जिता धनिः हरि हरि ॥ ७ ॥ रागवसंतः तालप्रतः करमसंद ईवने चोस्य हल
थुव्यदनः खाङ्गवह्म हस अभिमान ॥ गधिन ह्म विधाताने घल कल उभा
रनः इननयो जिमुयिनि थ्यङ्गन ॥ राजाभि मसिं न विववरदान ॥ १ ॥ चला
सन फा वमन दूषयाषा हुमानि वः दू हून पां तोल त्यवरन ॥ जरम ह्म वि
रजनैः रुकरायाङ्ग वक्यनः यन्यम पूजये जसगून ॥ राजा ॥ २ ॥ तयै दो
ससूयतान ह्मा यग्व ह्मा याक्यजिनः थ व कर ह्म समभिङ्गव ॥ दयक्यतू
भालवः धन सतया वमनः नया थ्यमङ्गन थोर्ध धान ॥ राजा ॥ ३ ॥ तपध
र्ममयामन दया व दू या यजिनः थ धिन गरिव जरमनै ॥ द ई व या निद्रा

या नाः धरमत्तुहमना वः नरजरमजूया दाय ॥ राजा ॥ ४ ॥ परं तारस्व
स्यथमजूया जिनतनमनः फया थयि जूया जूगूतिन ॥ वाहि जालजर
मनः भजलपाभिमासिनः सत्यत्ययो थ थयतय दाय ॥ राजा ॥ ५ ॥ यथ्य
याहा जतननमजि वगथया हून्यः लास वूक्योसथय जिगन ॥ रमम
नहितरुहिस्यः वनलिभालथय नः समिलजिहि हि दियहि न ॥ राजा
॥ ६ ॥ पादि म्वायथु जरम अन्यगदितलपावः सपनास पाहा थोजुव
भन ॥ हाथानदुजूया वानक्षमाभाव अतिगूनः स्वयत्पलकरु नंदयो
व ॥ राजा ॥ ७ ॥ जगतसंसारसः सुमलपाभिमासिनः थोजुग समदुदि

विनानं॥ साकहमयातनमनः हि हिं दिलिहि चरनः वियत्यल्ला क ह्म पाडा
 व॥ राजा॥ ४ ~~॥ ५ ॥~~ राग व्या हा ग रा॥ ताल ला॥ ॥ भ ईरव क नूनाना स्व हू
 न्य उजनं॥ ॥ भ धरम विहर सचो न गूलिमानं॥ दू का हू ने रे २ थ करम
 अधिक पाप दुषनं॥ भ यिरव क॥ ५ ॥ धरम मंदू ह्मा जन स्व हू न्य
 ननानं॥ मेव यारे २ भ ल सा मि दू त य ज्वलत आना॥ भ रव क॥ २ ॥
 ऊ करान यून का व अधो तन ता रे॥ सह स वि रे २ न ति हि क्य वि हू
 न्य उ धाल परे॥ भ ईर क॥ ३ ॥ थ व स्य क या था स या ई व सूनानं॥ जे
 यर न रे २ जित प्र भू धरम जि वि धि व र वा न॥ भ ईरव क हू नानं स्व हू न्य

उजन



आनंदजलधनिवान्यथवक्षसः आनंद
याज्ञवल्क्य ॥ धू ॥ ॥ धंधाजलधनिवान्यथवक्षसः आनंद ॥ मामवका
ज्याका २ दरसनवान्य ॥ आनंद ॥ १ ॥ जनानियादयानेः आनंद
याज्ञवल्क्य ॥ वालकूमारिक २ दरसनवान्य ॥ आनंद ॥ २ ॥



ॐ
या ये सा

दयित
या सिचा

ॐ
१
५
६

नागकथा ॥ ३५ ॥ ध्र ॥ जगत्तथापि विष्णुन कनकवहमात्रा ॥ हन
वगमनकथ कालयावहातः प्रितः प्रितः शायवृक्षापुलभ ॥ १ ॥
नागसागागः पुता ॥ मधुलवयनशुनकनकमाहनि ॥ ध्र ॥ कम
ननयता ह कुवशगमानमात्राः कामिशवानता ह ॥ वरुवदनद
विमनहलद्विततयः लानलसदित्रयत्रात्रः मधुलवयनशुन
ॐ ॥ ॥ नागधनाग ॥ वा ॥ पितामहशुभलवानियाताम
ह ॥ ध्र ॥ वानासुलत्रशुलनइवतानदना ॥ लाल ॥ पिथ्यदना

कलियविहालः पितामह मुमलवानि पितामह ॥ १ ॥ ॐ ॥

उक्ता वा
धविल

नगया तागता ॥ उव ॥ देवतात्रगाहः सानि हधिल जकता ॥ ध्र ॥

सकनवलवानत्र मुल नवाया ॥ त्रसुतमुमानकृष्ण ताल ॥ देवता

त्रगाह मुनिहधिल जकता ॥ १ ॥ ॐ ॥ तागखलया ॥ उव ॥

वाता मु
नमिहाग
धनान

खानन पुनजाय बालिया ॥ सहसवाह धजा जार्य श्रव पाया ॥ सिमिग

नसक कृपाग धवना अया ॥ खानिन पुल ॥ १ ॥ ॐ ॥

माला द
वहाति
क्रान्त

तागवसन ॥ यत्र छात्र ॥ पालवति पिबकालिषल ॥ ॥ दुअव वोलि

तरत्र नरह तत्र रावत धति त्रागः पालवति हासिद धल ॥ वसन

उषा व
नयाज्ञा

म अं य ॥ १ ॥ ॐ ॥

गगन वसुधा ॥ वा ॥ मनस उदासतय विगुल वाः सुल वाः न सुल ग अं व

लिय ग्राज ॥ ध्र ॥ पालि ग्राज कन विलः य वा क न कि ॥ ॥ ला ग व गाल

मुग्ध द सुवा सु मन हल य मः ल सुल ग व लिय ग्राज ॥ १ ॥ ॐ ॥

मा न ला ग ॥ ३ ॥ मा ना यि ता द ल सु न क ल व ग्रा य य ग्राः सा ल यि च

गुल वाः सुल वा ॥ ध्र ॥ श वा गि उ वा ल मः मन सा ह न ह य ग कलि

य विला सु डा हः मा ता ॥ १ ॥ ॐ ॥ गगन वसुधा ॥ वा ॥ वं गुल उ वाः

सुल वाः उषा ग म ग्रा य ॥ मा ना यि ता का ग्रा य म ग्यः न व ह म ग्रा य ग्रा ज

न पु लि म ॥ १ ॥ ॐ ॥

उषा र
न पु ल
अ न

लिपि
गं गमस
नान

यस्य
मा

नाधिक
कृष्ण
कै

नागनालि॥ वा॥ नामहलिःसिवहलिःबलागममःसुनानक्रनजायः
॥ ॥ स ७ हा गं जय नव कलियःध्यानयेदयध्या॥ ॥ ह्मिउवत बलि
यःनामहलिःसिवहलिःइनवसुअसाय॥ १ ॥ ॐ ॥
मादधनाग॥ पुता॥ सताजायवत्रा सुनिनयुलि॥ गागुदगन
सत्रात्रा गम हयःतायिअहयवत्रा॥ १ ॥ ॐ ॥ नागयहागना
पद्मावता॥ मथुनावनमउवतनत्रात्राह गमअयमाहनमगन
॥ कृष्णकनाःनामशवानिहनु॥ श्राअन ग्माकृष्णपुनहायन
मनःमगनहायनमनत्राज॥ कृष्णकनाम शवानिहनु॥ १ ॥ ॐ

उषाया
दं दशन

विठ्ठल
बा बाध
विल

यं ठल
बा ना
इतं पा
गक

गगवितास ॥ ५ ॥ गगितयनाधिषि सुनु यं ठल या ॐ यं दनावान

॥ पुत्रुषावना न ह म प्रानः गनल ह नः यि यं दनावान ॥ १ ॥ ॐ

गगज्रासा डालि ॥ पुत्रा ॥ धं कु निहानिय गवयलः न कु रस धं ह न ह

गनि ॥ ॐ ॥ सयना म द वा का पु र व मित्रा डाय ॥ ह मिवाल नृपतिः

गजिउ क ह य सु व य न ज्ञात्र ॥ १ ॥ ॐ ॥ गगखल य ॥ ३ ॥

ना रू ड मुनि ग्व कृ पा ह य ह म दालि कात्राय ॥ ॐ नृ गग रु ल क

ज्ञान रू ड उवा ज ग्यः ज्ञान रू ड ह म ल्या य ॥ दालि का ह म ज्ञा य

॥ १ ॥ ॐ ॥

प्रहसदि
नाय

नागत थ्यति ॥ नाजगि ॥ हाय पुनं नृनिरुद्ध को न लै गयाः राजभा
हविनु नहि शानल हतः यया ॥ हिनगमल सनहि का हा वा जवहः

कुताडु
वा स्वउ
न

हाल २ वना ताति दुषः यय ॥ १ ॥ ॐ ॥ मादुधना गा ॥ पुना ॥

नानाविडुकि नृग्य ग्य व ह म ज्ञाया ॥ उवा को वाति न दष व ज्ञाय नृग

पुलिम ॥ १ ॥ ॐ ॥ नाग सल य ॥ उव ॥ हा ना क उ ध व उवा जव

वाति य ज्ञा ॥ नाना द स ग व व न म ॥ नृनिरुद्ध वा जव ज्ञाया ॥ १ ॥

ॐ ॥ ॥ मादुधना साति ॥ पुना ॥ नानाविडुकि नृग्य सः जव ह म ज्ञा

या ॥ उवा क वाति न दष व ज्ञायः नृग पुलिम ॥ १ ॥ ॐ ॥

साताकि
इध व न
नृनिरुद्ध
लै ज न

मल्ल
उशध

उवाया
विनाय

गुरु
जिनि
धशध

नाकु
ध

सातागता ॥ वा ॥ ग्वत्रपुत्र निरुधलवगायः नागवाप्तवाधिराधि
यः धववगाय ॥ १ ॥ ॐ ॥ नागरह्यमति ॥ ३ ॥ प्राननाथवाधिल
धियाः नागवाप्तवृषजनिनयतिगात्रधमिमियिताधवधकनहिता
यहायः कोनशगुतिकिताय ॥ हतिर ॥ १ ॥ ॐ ॥

नागाननाल ॥ पुना ॥ कृष्काग्यसतालगाया ॥ कका जहायन
मसलिवगाडाय ॥ १ ॥ ॐ ॥ नागसागाग ॥ ३ः ॥ ३धमउवगवन
ताहयगायागाह ॥ ताहजनासकलः दतासमत्राज ॥ १ ॥ ॐ ॥

नागसागाग ॥ पुताग्वगा ॥ ३धमइरुवातवः पुमाननकातयः
॥ १ ॥

तनग
यार्थता

पिथि
याति
ता

त्रधमत्रयात्रसुगगनहमलिय॥१॥ ॐ ॥ गगसाग
यगा॥ वातियहलगनःसवामतिआत्रःकगासजायवधि॥ध
सिहयाद्यग्टधतुलगःमृगमुषसिवाकदरहनाकिय॥नीगाक
नाथलेश्वरनसहगनःतनमनविनगायउह॥१॥ ॐ ॥
मादधनासति॥ वा॥ तातानिवृतिहयहलाषिजाय॥ध॥६ह
मय७आववन॥हतिहिकमुलतिदगसनवाय॥तागनिष्टि
हय॥१॥ ॐ ॥ गगनाति॥ वा॥ हतिग्वशधतयवलाता

द्विपु
लपि

द्विपु
गुक्
सु

गलय ॥ ७ ॥ प्रायश्चित्त ॥ २ ॥ इति प्रायश्चित्त ॥ वासिष्ठ कथा ॥ अत्र
काल ॥ १ ॥ ॐ ॥ ॥ गायत्री ॥ वा ॥ अत्रान्नहमिन्ना
यत्र कालवत्प्रवृत्तयस्तथा तत्रान्नहमिन्ना ॥ अत्रान्नहमिन्ना
य ॥ १ ॥ गायत्री नृपतिरसि यतिविलवधान ॥ अत्रान्नहमिन्ना
मन्त्रलिङ्गवृद्धिर्गुणान्न ॥ २ ॥ ॐ ॥ गायत्री ॥ यत्र ॥ अत्रान्नहमिन्ना
सन्नुमन्त्रहमन्त्रातिविना ॥ ३ ॥ अत्रान्नहमिन्ना ॥ यत्र ॥ अत्रान्नहमिन्ना
गलान्नहमन्त्रातिविना ॥ ४ ॥ अत्रान्नहमिन्ना ॥ यत्र ॥ अत्रान्नहमिन्ना
यय ॥ २ ॥ ॐ ॥ कनकपुष्पः ॥ अत्रान्नहमिन्ना

हर्ष
कनक
पुता द्वा
धने

हलिस
कनशन

निवित्र
सगनडे
न

॥ जग्य ॥ पाय ॥

गाग कासि ॥ नु ॥ आत त कलिय जग्य २ मनलय पुल ॥ ध्रु ॥ उ
उवाह त न क त्या याः हो न क जग्या विधि म ॥ अनि र्दु उ वा स्वाम नाय
कलिय जग्य मनलय पुल ॥ १ ॥

॥ गाग ग डालि ॥ ॥ उव ॥ सि व कृ ॥ १ ॥ राम सिय हलि स कल र प
॥ ॥ जे न ध्या न हाय ह म गा यः हलि स कल ॥ जे व म स धा न गा य
॥ ॥ जे प न स धा न आ न गा य गा ज ॥ १ ॥

गाग आसा डालि ॥ वा ॥ अनि र्दु उ उ वा स्वर्ग १ वा वि वा ह त य ह म गा
या ॥ य ला गा न हलि सि व ह लिः जे व ना आ म म गा य ॥ १ ॥

हमि त
मि

नासादि॥ ३ ॥ इति ह जा ता तैः मयुगत्रासि न वा विदितं न तु
हित ता स ॥ आगमि न ह वा य जातः कप्रा कयि सा च सा वा गाज
य कु मा र त वा नि ॥ ५ ॥ ॐ ॥ म वा पु ल न य ल काः त ग गा ज
न ता कः वा वि का न न म न च्छ ना ॥ गा गा जि न्द्रि या न गा नि
पु ल ल स व ॥ अत्र य कु मा लि त वा नि ॥ २ ॥ ॐ ॥

आलनि
म

॥ गा ग व य म वा ॥ अ ग त ज न मि ति ह व न गा निः त ल व ग
न य नि नि वि सि थ न ॥ ॥ व ति यि ज गि नि न ड नि त ना थ

नतानंदसुखसुखनाथापसुयतिगुहकातिः वागमातिः
तथः गुमलनाकियताहवधानाजगतत्रनानि॥ १॥ जाल
तिननमनगमआयतत्रनः विद्यनविनासिनिताह॥ नातका
मनाकियः पवमिलियसायः गगनाजेंद्रविक्रमनृपतिधि
ल॥ जगतत्रनानिगृहवन्नानिः तलवगनपतिनिधिसि
प्रथम॥ १॥ ॐ ॥ गुहसुखह ५५

गग

तान्त्रिक

रिममि
देव्या
श्री

नागा ज्ञा ता कलि ॥ ज्ञा हा द ल संधा नास ग पा स विन्ना
क ह ल र व या डा ॥ मन ह ल थ न स विन्ना क द र वा सः ही म
जि न या ह न व नि या उ ड ल ॥ १ ॥ देव या मूल रु या व
विन्ना क व न दि ग ध व या डाः स व न स ना म दानः वि
ल ही मे ध ल ॥ २ ॥ ज्ञा हा द क्रा न् म ति न ग दान पु हा मा
सः द र्पा ध न ज्ञा दि स्या कः ध म ति रु सा स नः लि डा हा व
र्या कः रि म स न या ह न व नि या उ ड ल ॥ ३ ॥ ज्ञा हा द क्रा क

श्रीराम
लव
२
सव
६४०
साज
का
या
के

क्रियाय लिङ्गत क्रियाय थुलि विदुं न सलन विपा लि
एशात नरवडा डाकर नाद याव ॥ ५ ॥ एहि ॥ नया द न व नि
माउ धाल ॥ ६ ॥ सव ॥ ६ ॥ स ए स ॥ नाग ज्ञा सा व लि ॥ गल न ति
॥ श्रादा द न ग म य नि क याना थ कुल थाल सि स न श या क्रि ज्ञा सा
नान ॥ मा की डा क्रि क डाल न ॥ दि क व क्रि स दा वा ॥ ए यी ल व श्र द न क
र न द मा हान ॥ ॥ श्रादा द म ति यो हाल न ति सान ति या डा प म
र ७ ॥ ल श्रा डा सा व ॥ गल स न ल सिला मा हाल ॥ १ ॥ श्रादा द म न
उ दा स न डा मा क्रि स ल न स ॥ द म कि स ॥ क्रि स दा हान ॥ म व म

दृथ निदिग्ध्युक्ताया ज्ञातासाहचर्यवत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 हानं ॥२॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 वल्लपासावत्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥३॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 न कर्तुं न दयासा ॥४॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 गलमीरवान्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥५॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 सिद्धात्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥६॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 गलमीरवान्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥७॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 सिद्धात्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥८॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 गलमीरवान्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥९॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा
 सिद्धात्त्वं न कर्तुं न दयासा ॥१०॥ ज्ञाता दं करुणातिरवाडावत्त्वं न कर्तुं न दयासा

साकेना
 यमे

बुधमनसकथादातः साविताय नमः

वृधामनसकथाहावः॥ सादियारगमति सा श्वलनाका विष्णु कः॥
कनयः॥३॥ तव धनवाग्वाविलतनानि कुमालीः मनलथपुलयाः
विडातनानिनेः लोकः३ः गुप्तलवयकिसेवसुदिनसुवेलाः आवस
कुलदादिसिखकुलवाहालः नाकः४ः विनविचनकागदहलिक
सवनः दसदकपेचमुनकादलसनयाहायः लोकः५ः गुनिज
नकासंगनदानकमायाहावः निपालयाछुपगिरि सुजिंद
माहालाजः नाकनाथपुलसनरुहरे॥६॥ ॐ॥

श्रुत

४

रत्नाग कदा न ॥ तत्र यथा यद्वा श्रुत तानील पान हि सन न राषव
दियः शुद्ध वद नले ज्ञासा द विहति हृषन ए ग एत नलः यद्वा
श्रुत नानिल वान हि सल नन क व निदि ॥ यद्वा का न क दल
कल हि क क न वाला हिहा लं रु निदि य ॥ व न स ग म लः ॥ यद्वा
दः साल म दित कलि कल गीः यद्वा श्रुत ॥ १ ॥ यद्वा हाल माल न
गा विला त्रि त स व हु न श व दि हि यः ॥ श्रुत म य स लः ॥ यद्वा

श्री ग
नी डा
पा भ
४
५

दंर वसंकल जउ न कउ न सलः यहा जउ ॥ ३ ॥ हयली हस
गासउ दा समन स रथा हा निल क्रिय ॥ नुयतिरु ग हातिग
हा निरुमति ॥ बलन हद वसि ॥ यहा जउ लत्रा निल क नहीस
लन लंख वनि ह ॥ ४ ॥ ॥ श्री ॥
ति ॥ हा दे जा गानि दाम स द व सा ज ते ॥ श्री ॥ श्री कृष्ण र
ना थ ॥ श्री लिपालिका सु मतन साल ह ॥ गलग ॥ हा द ग

नवपदमपदमपादितस्तुतिदलसिखलामह ॥ नृप न
प्रवृत्तनयासाधलनयमतिस्तदिनगरनगमनह ॥ नृगानि
दादयवपलवगामयंदिवालमलमथुत्रायानिह ॥ प
ताननृनृलकावालिपायमुच्यपदपायिनी ॥ नृग ॥ २ ॥
दादविरुत्तममवाधिययदिवालसिखसिखकहिह ॥
दरवीयरुतिनृपवयवलयविरुत्तममवाधिय ॥ नृग

क. ग. य.
स. र. की.
द. वी.
या. प्र.

५
६

गा॥३॥ सा द न गाल विनाडी कृत धालि कल विनाडी नालि
द॥ दिन वध न ना त वा प्र लि या धन सं दा सिद्ध ॥ र गानि
दु मल दे व साल द ॥ ५ ॥ ॐ ॥ १ ना ग कृ ता गाल धा क ॥ विष्णु मति ती
लः शान्द शान्द ॥ सिधा गन पति क रुना दया ॥ कज्य ग्व नी द विक
रुना दया द वि श द ह ल स न ॥ १ ॥ जय गय का त्रिका दे वि या हु न उ धा तः
॥ सि व स व उ मा ज गि न स ए ता क ॥ कज्य ग्व ॥ २ ॥ नि ग उ नी मा या
उ क्ता ग ना ना ॥ ३ ॥ म न ल क ॥ ४ ॥ ल न मा हा ना वि का छि न ॥ कज्य ३ ॥

॥ छि गु त त ता ति सु ज न कृ ती कृ ती ॥ वि हु न मृ ग ति ए ग त स न
 या ग ति ॥ क र्प य ष्य वि द की क र्प ना द र्पा वि व र ह त स न ॥ ४ ॥
 क्षा क कृ छि स्य क क या वि न ति न ह न ॥ श्री ज न वा हा नु ड
 ला ह व षा हा ना ॥ क र्प य ष्य ॥ ५ ॥ छि ॥ मा हा वि ह स ॥
 क र्प य ष्य ॥ प लि त न म वु अ म न त य द्वा यः ए ग ति न न का ह न
 त म या ना मः ॥ त म क र म स र्वा क र्प य ष्य न स य ता मः ॥ ६ ॥

प श्री क
 न का ह
 न त म
 य ता म

यथस्य न माल्यग्या न ॥ गयाया नामै का स्यः चलसविनास्य
दसनः दु निता न नानः १ः नाम बंवलं गय मत्र थिजन स्य इ ग
नः च दू नलाय मरु ग्या नः ॥ रुग न या स थ मः ॥ चलसविना
त्वत्य रुसा नलाय मरु ग्या नः ॥ २ः ॥ गमात्रा नृगलतः मरुथ ग
पतनः थडा क्क था निव स दानेः ॥ द मिता रुव सलः धल मरु
मानाताः न किता रुगिठ व माता ॥ ३ः ॥ नमन लिम सव स्यः प्रा हा ग

वचनं यथाशक्तमनुजालं ज्ञानः दयकं एतत्पात्रं धूलममर्थं मे
न ॥ नलकलशं लमलीस्यद्वः ॥ ५ ॥ पलशामाहस्वयः पदमपापलाभं
ः रुयाथयितुमनथमः ॥ वदितुमननार्मः एतन्नमेलातायाः मननपा
अधिमाधना ॥ १ ॥ यत्कानमदुधनं सुवर्णं विक्रयनाः लसनम
मियभुज ॥ लतनयोडादानुडासनः ॥ जलधनः संपत्तिस्वमा
याडादान ॥ ७ ॥ लाषशस्यविक्रनः बहुरस्यनिगुनः तयक
रशुलपिवथम ॥ हवननुगतः कूलपीवक्रमनथीलनः धा

कडु
नासा

याये

मदं शन ॥ १ ॥ ० ॥ लाषशस्यविक्रनः बहुरस्यनिगुनः तयक

नाटसि नलं ॥ दंतया नीक ननलः विद्या क स ना सतिः सा दृया
रधी पति रु नलं ॥ श्राद्ध ॥ ३ ॥ श्राद्धः सुषे न विहा व न द्वाः
मास्त नु दु वा यु द कणः जगता स रु न पा निल ॥ नाहि न नाज
गा जालः व रु न ना म दा हः रेष या पु सि व न या तलः श्राद्ध क
॥ ४ ॥ श्राद्धः रु व रु उ रि रु ती नः कु व न व न पतिः र
का पु न या रु रु रु नल ॥ ष व रु थी पु री नलः वि रु रु या ति
र रु नः र रु मि पु रा ध का मान का नल ॥ श्राद्ध क रु ॥ ५ ॥

श्री ह्रींः कुत्रिस धनमुप श्रेष्ठ नमः वधः श्री महि व नमः
ज्ञान श्रुतं ॥ एतत्तु वनयाः शक नपु नीयाः नाथ रुचक
श्री नाथ ॥ श्री ह्रीं ॥ ७ ॥ श्री ह्रीं महि श्री नाथ याः पात्र
प्रायगनाः दात्रिः सि नथ व ल्या व ली ॥ वृष ग्ग वृष व्वा नथ
धं ग्गुं कात्रः नृपतिणी नाहिड धा व ली ॥ श्री ह्रीं क रुना
सागा श्री क वृष व्वा नमसि व ली ॥ १ ॥ ॐ ॐ ॥

माहा
या
सा
ना

ॐ

ह

मा ग वा दना ॥ ता न यु ता ॥ त त न सा पं ज व्या धि म त्र क न पु रं ॥ सि न
स लं ड मा ॥ १ ॥ शि न रु यु ॥ धु ले ता न न ना का यु सि वी क द्य यु ॥
॥ १ ॥ मा ग कु ड्र न रु ॥ का पा ॥ वा लु ॥ ना ॥ न त न दं म त्र ॥ २ ॥
दि म दि म द्य यु ॥ सं ता ॥ २ ॥ मा हा द व वि द्या ॥ वः ॥ त ग न लि त का व ॥
ह स ग मा त्र न न ग ॥ मु सा न स दि यु ॥ सं ता ॥ ३ ॥ न दि ही दि पा ता
ता ॥ पं य ता न वा यु ॥ त स नं प्या ब न रु युः ॥ ग ती ष वी त यु ॥ सं ता
॥ ४ ॥ मा हा द व वि द्या ॥ वः ॥ धु क्क म ती ना यु ॥ त स न वि द्या ॥ नं
नाः वि ह ती न यु यु ॥ सं ता ॥ ५ ॥ न त न न ल न त्या ॥ द व न र्वा
या यु ॥ ह ग ती ध या ना त्व ॥ ह त र पा यु ॥ सं ता ॥ ६ ॥ व द्वा ना

सप्तमी
सामा

१०

नाडुषसि ००: वृक्षा रुसनाय ॥ वृक्षा नीना ग्गानी रुयु: वृक्षा रुन
लायु ॥ ५ ॥ संसा नननामका ०० सिवसिवधयु ॥ ७ ॥ ॐ ॥
० नावा केसि ॥ तानयना ॥ ताद सता कयाथ सवा ना तस ता नीजा नरा
॥ सप्तषिद्वर्गना कलतिवत न डना ॥ सप्तमी ॥ १ ॥ ताद गना मासि ग
नास्य यदुगु वी याथ सता ॥ मथु ना सविद्या हा वसु तान कथाना
॥ २ ॥ ताद स्य यवा नष द्वे या पु रुषा तसि वरा ॥ तह वन कडा व
केस स्याता नमषु ना ॥ ३ ॥ ताद वपु रुषवा न क्के ता: व नी ह गा कु
०० ना ॥ हा के के रग्या नी सि त्यलु ष वा हा न यु ना ॥ ४ ॥ सप्तमी
ॐ ना वि क ता न धु म वि क ता न ॥ सी सी न क्का वा ना व नी

प्यासा

११

५३ व
नमा

१२

विहंग नम्रायः माहा नारायणाय नमः ॥ १ ॥ ॐ
नागनागाः नागराः साद श्री मन्त्र पुनः गतः पीगम वागाहिः
द्वयग नमस्तु काहाव ॥ श्री विलु नुविहीतः श्री वू दाय हः श्री वृष्ट
डोम ह स्वह न ॥ ५ ॥ साद सुदन नगप्रद हर्ष ॥ १ ॥ साद श्री नीपा
नमदनः मन ह नथानः सिधौ का गी विज्ञा हाहाव ॥ श्री रुद्रा य ह नी
ः श्री महान रक्षि मिः श्री वन झा यनी ॥ सुदन ॥ २ ॥ साद श्री जननी
मा गीः श्री नाथ स्य गीः उत्तर दिग श्व प्राव ॥ साहा का न ह वू नवः श्री
स्य लू का गीः गनपती सहित विज्ञा क ॥ सुदन ॥ ३ ॥ साद झा क ह

उत्तर
नो गति
न याम

७

१३

अ/१३

यामननयः पुननयाडावः श्री नव दुग्ग गहन ॥ अथ कथाडा
वदयादयमात्रः श्री गान्धी पुनमसकात्र ॥ ५ ॥ सुदरन गन दहेसी
॥ ४ ॥ ॥ गान्धी श्री माल ॥ गान्धी ॥ नी पाल सनमः दाद कु धानि
कथ ॥ ६ ॥ पका न विचयतः तुनतह याडा का विडाह ॥ १ ॥ सुधनल
पकुत्यः विडाका क नाना ॥ मुल्लुह की गाल्यः लूक हयाषा हात्र
स्यस्यह ॥ २ ॥ वी डा कना ग का सन का सल याडा ॥ नागन कु यकाव
ः जतस दुडा डाह ॥ ३ ॥ काक का या विनति छि पाली या कसु ॥ दनस
नविचयतलः मुजिड माहात्राह ॥ ४ ॥

	847
12	12.12.12

12.12.12

ffz fzfz ffz ffz

[illegible]